

शमिला समझौता 1972

प्रलिस के लयः

शमिला समझौता, 1971 का भारत-पाकसितान युद्ध, कश्मीर समस्य, नयितरण रेखा (LOC), परमाणु परीक्षण, कारगलि युद्ध, अनुच्छेद 370.

मेन्स के लयः

भारत-पाकसितान संबंघ, शमिला समझौते का महत्त्व

[स्रोत: लाइव मटि](#)

चरचा में क्योँ?

हाल ही में, 2 जुलाई 1972 को भारत और पाकसितान के तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित [शमिला समझौते](#) की 52वीं वर्षगांठ मनाई गई।

शमिला समझौता क्या है?

■ उत्पत्त एवं संदर्भ:

- वर्ष 1971 के युद्ध के बाद की स्थिति: यह समझौता वर्ष 1971 के भारत-पाकसितान युद्ध का प्रत्यक्ष परिणाम था, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश (पूर्वी पाकसितान) स्वतंत्र हुआ।
 - इस संघर्ष में भारत के सैन्य हस्तक्षेप ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, परिणामस्वरूप दक्षिण एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए।
- मुख्य वार्ताकार: भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकसितान के राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो।
 - इस समझौते का उद्देश्य शत्रुता के बाद दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करना और साथ ही आगामी संबंधों को सामान्य बनाना था।

■ शमिला समझौते के उद्देश्य: भारत के शमिला में कई प्रमुख उद्देश्य थे।

- **कश्मीर समस्य का समाधान:** भारत ने द्विपक्षीय समाधान की दशा में कार्य करके पाकसितान को कश्मीर विवाद को वैश्विक स्तर का होने से रोका।
- **संबंधों का सामान्यीकरण:** नए क्षेत्रीय शक्ति संतुलन के आधार पर पाकसितान के साथ संबंधों में सुधार की आशा है।
- **पाकसितान को अपमानित होने से बचना:** भारत ने पाकसितान में और अधिक असंतोष तथा संभावित प्रतियोग को रोकने के लिये युद्ध वरिष्ठ रेखा को स्थायी सीमा में बदलने पर ज़ोर नहीं दिया।

■ प्रमुख प्रावधान:

- **संघर्ष समाधान एवं द्विपक्षीयता:** इस समझौते में भारत और पाकसितान के बीच सभी मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से, मुख्य रूप से द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से हल करने पर ज़ोर दिया गया। इसका उद्देश्य संघर्ष एवं टकराव को समाप्त करना था।
- **कश्मीर की स्थिति:** सबसे विवादास्पद मुद्दों में से एक कश्मीर में नयितरण रेखा (Line of Control- LoC) थी, जिसे वर्ष 1971 के युद्ध के बाद स्थापित किया गया था।
 - दोनों पक्ष अपने दावों के प्रति पूर्वाग्रह के बिना इस रेखा का सम्मान करने और बिना दोनों पक्षों की सहमति के बिना इसकी स्थिति में परिवर्तन न करने की सहमति जताई।
- **सेनाओं की वापसी:** इसमें सेनाओं को अंतरराष्ट्रीय सीमा के अपने-अपने पक्षों में वापस जाने का प्रावधान किया गया, जो तनाव कम करने की दशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम था जो दोनों देशों के तनाव कम करने की दशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम था।
- **भविष्य की कूटनीति:** इस समझौते में दोनों सरकारों के प्रमुखों के बीच आगामी बैठकों और स्थायी शांति स्थापित करने, संबंधों को सामान्य बनाने तथा युद्धबंदियों के प्रत्यावर्तन जैसे मानवीय मुद्दों को संबोधित करने के लिये जारी वार्ताओं के प्रावधान भी निर्धारित किया गए।

■ महत्त्व:

- **भू-राजनीतिक तनाव:** जैसा कि कश्मीर का मुद्दा और भारत-पाक व्यापक संबंध, दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा बने हुए हैं इसलिये इस समझौते की वर्तमान में भी प्रासंगिकता बनी हुई है।
- **वधिक और कूटनीतिक ढाँचा:** यह अपनी सीमाओं और भिन्न व्याख्याओं के बावजूद दोनों देशों के बीच भविष्य की चर्चाओं तथा वार्ताओं

के लिये एक कानूनी ढाँचा प्रदान करता है।

■ आलोचना:

- **अप्राप्य कषमता:** शमिला समझौता भारत और पाकस्तान के बीच स्थायी शांति तथा सहयोग को बढ़ावा देने के अपने **इच्छित लक्ष्यों** को पूरा करने में **वफिल रहा**। गहनता से वदियमान अवशिवास और ऐतहिसकि मुद्दे प्रगति में बाधा बने हुए हैं।
- **परमाणु परीक्षण और रणनीतिक बदलाव:** दोनों देशों ने वर्ष 1998 के बाद **परमाणु परीक्षण** किये, जिससे रणनीतिक स्थिति में महत्त्वपूर्ण बदलाव आया। इस परमाणु कषमता से आई **नविरक-आधारित स्थिरता** ने शमिला समझौते के महत्त्व को कम कर दिया है।
- **दीर्घकालिक प्रभाव:** शमिला समझौता भारत और पाकस्तान के बीच स्थायी शांति स्थापित करने या इनके संबंधों को सामान्य बनाने में असफल रहा।
- **अंतरराष्ट्रीय परप्रेक्ष्य:** अंतरराष्ट्रीय समुदाय आमतौर पर भारत और पाकस्तान के बीच मुद्दों को हल करने के लिये **शमिला समझौते के द्विपक्षीय दृष्टिकोण** का सम्मान करता है।
 - इसका इस्तेमाल प्रायः कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप को रोकने के लिये किया जाता रहा है।

पछिले कुछ वर्षों में भारत-पाकस्तान संबंध कैसे रहे हैं?

■ वभाजन और आज़ादी (1947):

- वर्ष 1947 में **ब्रिटिश भारत का भारत और पाकस्तान** में वभाजन एक नरिणायक कषण था, जिसके परिणामस्वरूप दो **अलग-अलग राष्ट्रों** का नरिमाण हुआ, भारत एक धर्मनरिपेक्ष राष्ट्र और पाकस्तान एक धर्मशासित राष्ट्र।
 - **कश्मीर के महाराजा** ने शुरु में स्वतंत्रता की मांग की, लेकिन अंततः पाकस्तान द्वारा कश्मीर पर हमले के कारण भारत में वलिय हो गया, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष **1947-48 में प्रथम भारत-पाक युद्ध** हुआ।

■ युद्ध, समझौते और आतंक:

- **1965 और 1971 के युद्ध:** वर्ष **1965 का युद्ध सीमा पर झड़पों से शुरू हुआ** और एक बड़े पैमाने पर संघर्ष में बदल गया। यह **संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता** वाले युद्ध वरिम और कसिी बड़े कषेत्रीय परिवर्तन के बिना समाप्त हुआ।
 - वर्ष 1971 में **भारत ने पूर्वी पाकस्तान के स्वतंत्रता संघर्ष में हस्तक्षेप किया**, जिसके परिणामस्वरूप **बांग्लादेश का नरिमाण** हुआ।
- **शमिला समझौता (1972):** वर्ष 1971 के युद्ध के बाद हस्ताक्षरित इस समझौते ने **भारत और पाकस्तान के बीच कश्मीर में नयितरण रेखा (LOC)** स्थापित कर दी।
- **कश्मीर में उग्रवाद (1989):** पाकस्तान ने कश्मीर में **उग्रवादी वदिराह** को समर्थन दिया, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक हिसा और मानवाधिकारों का हनन हुआ।
- **कारगलि युद्ध (1999):** पाकस्तान समर्थित सेना ने कारगलि में भारतीय-नयितरित कषेत्र में घुसपैठ की, जिससे युद्ध छड़ि गया, जो भारतीय सैन्य वजिय के साथ समाप्त हुआ, लेकिन इससे संबंध और भी तनावपूर्ण हो गए।
- **मुंबई हमला (2008):** पाकस्तान स्थित **लश्कर-ए-तैयबा** के आतंकवादियों ने मुंबई में समनवति हमले किये, जिसमें 166 लोग मारे गए। इस घटना ने संबंधों को गंभीर रूप से प्रभावित किया और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिये पाकस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा।
- **पुलवामा हमले (2019)** और उसके बाद की सैन्य मुठभेड़ों जैसी घटनाओं के कारण समय-समय पर वार्ता तथा वशिवास-नरिमाण के प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई है, जिससे शांति संबंधी प्रयासों की वफिलता उजागर हुई है।

■ वर्तमान स्थिति (2023-2024):

- **पाकस्तान में जारी राजनीतिक अस्थिरता**, साथ ही चल रही आतंकवादी गतिविधियाँ और सीमा पार तनाव, **दोनों देशों के बीच हिसा तथा अवशिवास के चक्र को कायम रखते हैं।**
- **भू-राजनीतिक आयाम:** **कषेत्र में चीन का बढ़ता प्रभाव**, जिसमें पाकस्तान के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी और भारत के साथ कषेत्रीय ववाद शामिल हैं, **भारत-पाकस्तान संबंधों में जटिलता की एक ओर परत जोड़ता है।**

नषिकर्ष

- कुल मलिकर, **भारत-पाकस्तान संघर्ष एक जटिल और अस्थिर मुद्दा बना हुआ है**, जिसकी गहरी ऐतहिसकि जड़ें हैं, जो भू-राजनीतिक प्रतदिवंदवति, घरेलू राजनीति तथा कषेत्रीय प्रभुत्व की आकांक्षाओं से जुड़ा हुआ है। **हिसा, आतंकवादी गतिविधियाँ और आपसी अवशिवास की बार-बार होने वाली घटनाओं** के बीच स्थायी शांति की दशा में प्रयासों को महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।
- वर्ष 1972 का शमिला समझौता 1971 के युद्ध के बाद **भारत और पाकस्तान के बीच शांति की दशा** में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास था, लेकिन इसकी सीमाएँ तथा ववाद भारत-पाकस्तान संबंधों की जटिल एवं स्थायी प्रकृति को रेखांकित करते हैं। **दक्षिण एशियाई कूटनीति व सुरक्षा की गतिशीलता और चुनौतियों** को समझने में इसकी वरिसत महत्त्वपूर्ण बनी हुई है।

दृष्टिभेन्स प्रश्न:

प्रश्न. समकालीन भारत-पाकस्तान संबंधों को आकार देने में वर्ष 1972 के शमिला समझौते की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिये।

और पढ़ें: [कारगलि वजिय दविस](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न 1. सधु नदी प्रणाली के संदर्भ में नमिनलखिति चार नदियों में से तीन नदियाँ इनमें से कसिी एक नदी में मलिती है, जो सीधे सधु नदी से मलिती हैं। नमिनलखिति में से वह नदी कौन-सी है, जो सधु नदी से सीधे मलिती है?

- (a) चनिब
- (b) झेलम
- (c) रावी
- (d) सतलुज

उत्तर: (d)

??????????:

प्रश्न. "भारत में बढ़ते सीमापारीय आतंकी हमले और अनेक सदस्य-राज्यों के आंतरकि मामलों में पकसितान द्वारा बढ़ता हुआ हस्तक्षेप सार्क (दक्षणि एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) के भवषिय के लयिे सहायक नहीं है।" उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजयिे। (2016)

प्रश्न. आतंकवादी गतविधियिों और परस्पर अवशिवास ने भारत-पाकसितान संबंधों को धूमलि कर दिया है। खेलों और सांस्कृतकि आदान-प्रदानों जैसी मृदु शक्तिकिसि सीमा तक दोनों देशों के बीच सद्भाव उत्पन्न करने में सहायक हो सकती है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजयिे। (2015)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/simla-agreement-1972>

